स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

खसरा और रूबैला को पछाड़ें ज़िम्मेदार परिवार बनें

खसरा और रूबैला टीकाकरण अभियान

यदि आपका बच्चा 9 माह से 15 साल के बीच की उम्र का है, तो यह संदेश आपके लिए है

- यदि आपके बच्चे 9 माह से 15 साल के बीच के आयु वर्ग के हैं, तो अपने शहर / नगर / गांव में खसरा-रूबैला (एमआर) टीकाकरण अभियान के दौरान कृपया उनको अपने नजदीकी टीकाकरण सत्र पर ले जाएं
- अपने बच्चे के स्कूल शिक्षण संस्थान से मिलने वाले किसी भी परामर्श / निर्देश पर ध्यान दें और जैसी आवश्यक हो, वैसी कार्रवाई करें
- अपने स्कूल जाने वाले बच्चे को खसरा-रूबैला टीकाकरण अभियान के दौरान स्कूल में टीका लगवाने के लिए अपनी सहमति प्रदान करें
- टीका लगने के बाद किसी तरह का विपरीत लक्षण दिखाई देने पर तुरंत ही इलाज के लिए ले जाएं या स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा दिए गए सुझाव के अनुसार कार्रवाई करें
- जब भी दूर दराज के टीकाकरण सत्र या स्वास्थ्य केंद्र पर जाना हो, तब बच्चे का टीकाकरण कार्ड जरूर साथ ले जाएं
- अपने बच्चे को खसरा-रूबैला टीके की नियमित खुराक अवश्य दिलाए, चाहे अभियान के दौरान एमआर का टीका लगा हो या नहीं

unicef for every child

World Health Organization

समझदारी दिखाएँ!
अपने बच्चे का
सम्पूर्ण टीकाकरण करवाएं

खसरा रोग

- खसरा एक जानलेवा बीमारी है और बच्चों में अपंगता और मृत्यु के बड़े कारणों में से एक है।
- खसरा बहुत संक्रामक रोग है और यह एक प्रभावित व्यक्ति द्वारा खांसने और छींकने से फैलता है।
- खसरा आपके बच्चे को निमोनिया, दस्त, और दिमागी संक्रमण जैसी जीवन के लिए घातक जटिलताओं के प्रति संवेदनशील बना सकता है।
- खसरा के आम लक्षण इस प्रकार हैं – तेज बुखार के साथ त्वचा पर दिखाई पड़ने वाले लाल चकत्ते, खांसी, बहती नाक और लाल आँखें।

रूबैला रोग

- अगर स्त्री को गर्भावस्था के आरंभ में रूबैला संक्रमण होता है तो सी.आर.एस. (जन्मजात रूबैला सिंड्रोम) विकसित हो सकता है, जो भ्रूण और नवजात शिशुओं के लिए गंभीर और घातक साबित हो सकता है। प्रारंभिक गर्भावस्था के दौरान रूबैला से संक्रमित माता से जन्मे बच्चे में दीर्घकालिन जन्मजात विसंगतियों से पीडित होने की संभावनाएं बढ़ जाती है जिससे आँख (ग्लूकोमा, मोतियाबिंद), कान (बहरापन), मस्तिष्क (माइक्रोसिफेली, मानसिक मदता) प्रभावित होते है तथा दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।
- रूबैला से गर्भवती स्त्री में गर्भपात, अकाल प्रसव, और मृत प्रसव की संभावनाएं बढ़ जाती ।

याद रखें :

- यदि आपका बच्चा 9 माह से 15 साल की उम्र का हो, तो उसे टीका लगवाना चाहिए
- आपके बच्चे को यह टीका तब भी लगवाना चाहिए यदि उसे पहले एमआर / एमएमआर का टीका लग चुका हो, या उसे इन दोनों में से कोई बीमारी हो चुकी हो
- खसरा और रूबैला से जुड़े जानलेवा परिणामों, जैसे निमोनिया, दस्त, दिमागी बुखार से बचाव के लिए टीकाकरण ही एकमात्र बचाव है
- खसरा-रूबैला का टीका सभी टीकाकरण सत्र और सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर मुफ्त लगाया जाता है
- जब भी आप अपने बच्चे का टीकाकरण कराने जाएं, तब टीकाकरण / माँ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड साथ ले जाएं
- अधिक जानकारी के लिए अपने गांव की एएनएम / आशा / आंगनवाड़ी बहनजी से संपर्क करें

unicef for every child

World Health Organization